

Dr•Manoj Kumar Singh
Assistant Professor
P.G.Deptt.of Psychology
Maharaja College Ara
Date; 29/10/2025
Class: U.G Semester - 3rd
(MJC-3)
Developmental Psychology,
Topic - अध्ययन की विधियाँ
(METHODS OF STUDY)

परिचय (Introduction)

मनोविज्ञान को एक विधायक (**systematic/scientific**) विज्ञान माना जाता है, और शैक्षिक मनोविज्ञान (**Educational Psychology**), व्यवहारिक मनोविज्ञान की एक महत्वपूर्ण शाखा होने के कारण, यह भी उसी प्रकार का विधायक विज्ञान है।

दोनों में अंतर केवल इतना है कि सामान्य मनोविज्ञान में मानवों के साथ-साथ पशु-पक्षियों के व्यवहार का भी अध्ययन किया जाता है, जबकि शैक्षिक मनोविज्ञान का अध्ययन क्षेत्र केवल मानव व्यवहार तक सीमित होता है — वह भी शैक्षिक परिस्थितियों के संदर्भ में।

इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि मनोविज्ञान और शिक्षा-मनोविज्ञान दोनों की अनुसंधान विधियाँ वैज्ञानिक, तार्किक और एक-दूसरे से काफी हद तक समान हैं। वर्तमान समय में दोनों ही क्षेत्रों की अध्ययन पद्धतियाँ वैज्ञानिक स्वरूप धारण कर चुकी हैं तथा इन विधियों का एक समृद्ध ऐतिहासिक विकास क्रम भी रहा है।

1) अनुदैर्घ्य अध्ययन (Longitudinal Study)

2) निरीक्षण विधि (Observation Method)

3) क्रॉस-सांस्कृतिक अध्ययन (Cross-sectional Study)

(1) अनुदैर्घ्य अध्ययन (Longitudinal Study)

एक अनुदैर्घ्य अध्ययन एक ऐसा अध्ययन है जहाँ एक ही डेटा को समय के विभिन्न बिंदुओं पर एक से अधिक बार एकत्र किया जाता है। एक अनुदैर्घ्य अध्ययन का उद्देश्य न केवल यह आंकलन करना है कि डेटा एक निश्चित समय पर क्या प्रकट करता है, बल्कि यह समझना भी है कि समय के साथ चीजें कैसे (और क्यों) बदलती हैं। पार अनुभागीय अध्ययन की तरह, यह भी (अनुदैर्घ्य अध्ययन) एक अवलोकन अध्ययन है, जिसमें एक ही नमूने से विस्तारित अवधि में बार-बार डेटा एकत्र किया जाता है। अनुदैर्घ्य अध्ययन में बालकों के एक ही समूह का अध्ययन दीर्घ समय तक चलता रहता है। इस विधि में एक ही आयु-स्तर के बालकों के समूह को चुना जाता है। इसी समूह के बालकों की आयु बढ़ने के साथ-साथ उसकी मानसिक, सांवेगिक तथा शारीरिक योग्यताओं के विकास क्रम का निरीक्षण व मापन किया जाता है। उदाहरण के लिए यदि 6 से 9 वर्ष तक के बालकों के संज्ञानात्मक विकास का अध्ययन करना है तो उन्हीं बालकों का 6 वर्ष की आयु में परीक्षण किया जायेगा, फिर 62 वर्ष की आयु

में, तत्पश्चात् 7 वर्ष, इसी तरह जब बालक 9 वर्ष के हो जायेंगे तब तक उनका संज्ञानात्मक विकास के प्रत्येक पहलू का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला जायेगा, क्योंकि इस विधि में बच्चों का समूह एक ही रहता है अतः प्रतिदर्श (Sample) सम्बन्धी त्रुटियों की संभावना नहीं रहती है।

इस प्रकार का अध्ययन हफ्तों, महीनों या यहां तक कि वर्षों की अवधि में हो सकता है। कुछ मामलों में, अनुदैर्घ्य अध्ययन कई दशकों तक चल सकते हैं। अतः अनुदैर्घ्य अध्ययन एक विस्तारित अवधि में किया गया शोध है। इसका उपयोग अधिकतर चिकित्सा अनुसंधान और मनोविज्ञान या समाजशास्त्र जैसे अन्य क्षेत्रों में किया जाता है। अनुदैर्घ्य अध्ययन अक्सर गुणात्मक या मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के लिए सर्वेक्षण का उपयोग करते हैं। इसके अलावा इसमें एक सर्वेक्षण निर्माता सर्वेक्षण प्रतिभागियों के साथ हस्तक्षेप नहीं करता है। इसके बजाय, सर्वेक्षण निर्माता प्रतिभागियों, व्यवहार या दृष्टिकोण में परिवर्तन देखने के लिए समय-समय पर प्रश्नावली वितरित करता है।

अनुदैर्घ्य अध्ययन की विशेषताएँ (Characteristics of Longitudinal Study)

अनुदैर्घ्य अध्ययन की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

- (1) अनुदैर्घ्य अध्ययन में एक ही समूह के (एक ही आयु के) बालकों या व्यक्तियों का किसी प्रत्यय के अध्ययन के लिए उस समूह पर भिन्न-भिन्न अंतराल पर परीक्षण कर जाना जाता है।
- (2) इस अध्ययन में अंतराल का निर्णय अध्ययनकर्ता अध्ययन किये जाने वाले प्रत्यय के अनुकूल तय करता है।
- (3) अनुदैर्घ्य अध्ययन प्रकृति में अवलोकनात्मक हैं। इसमें पूरे अध्ययन के दौरान अनुसंधान प्रतिभागियों का अवलोकन करना तथा उसके द्वारा देखे जाने वाले लक्षणों में किसी भी बदलाव को रिकॉर्ड करना शामिल है।
- (4) अनुदैर्घ्य अध्ययन एक प्रकार का सहसम्बन्ध अनुसंधान है।
- (5) इस विधि का प्रयोग अध्ययनकर्ता विभिन्न अंतरालों में परिवर्तन का अध्ययन करने के उद्देश्य से करता है।
- (6) अनुदैर्घ्य अध्ययन में, शोधकर्ता किसी भी तरह से प्रतिभागियों की दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में हस्तक्षेप नहीं करता है। जब उनकी प्रतिक्रियाएँ एकत्र करने का समय आता है, तो शोधकर्ता गुणात्मक एवं मात्रात्मक प्रश्नों के साथ एक सर्वेक्षण करता है।

अनुदैर्घ्य अध्ययन के प्रकार (Types of Longitudinal Study)

अनुदैर्घ्य अध्ययन के कई प्रकार हैं जिनका संक्षेप में वर्णन इस प्रकार है-

- (1) पैनल अध्ययन (Panel Study)- पैनल अध्ययन में व्यक्तियों के एक पार अनुभाग (Cross-section) का नमूनाकरण शामिल है।
- (2) समूह अध्ययन (Cohort Study)-समूह अध्ययन में किसी विशेष घटना जैसे- जन्म, भौगोलिक स्थान या ऐतिहासिक अनुभव, के आधार पर समूह का चयन करना शामिल है।

(3) पूर्वव्यापी अध्ययन (**Retrospective Study**)- पूर्ववर्ती अध्ययन में चिकित्सा रिकॉर्ड जैसे ऐतिहासिक जानकारी को देखकर अतीत की तलाश में शामिल है।